http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 64

प्रयागराज बुधवार 20 नवम्बर 2024

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

‘दादी हिम्मत और मोहब्बत की मिसाल’

● इंदिरा के लिए राहुल का भावुक पोस्ट, प्रियंका ने कही यह बात

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राहुल ने श्एक्सश पर भावुक पोस्ट कर दादी को हिम्मत और मोहब्बत की मिसाल बताया। वहीं, प्रियंका ने जाति आधारित जनगणना और आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाने का जिक्र कर दादी को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर मंगलवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ‘शक्ति स्थल’ पहुंचकर इंदिरा गांधी के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। राहुल ने श्एक्सश पर भावुक पोस्ट कर दादी को हिम्मत और मोहब्बत की मिसाल बताया। वहीं, प्रियंका ने जाति आधारित जनगणना और आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाने का जिक्र कर दादी को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, ष्दादी हिम्मत और मोहब्बत दोनों की मिसाल थीं। उन्हीं से मैंने सीखा है कि निडर होकर देशहित के रास्ते पर चलते रहना असली ताकत है। उनकी यादें मेरी शक्ति हैं, जो हमेशा मुझे राह दिखाती हैं।ष प्रियंका गांधी ने बताया कि जाति आधारित जनगणना और आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाने की मांग करके इंदिरा गांधी के ही विचारों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, ष्मेरी दादी श्रीमती इंदिरा गांधी जी अपने चुनाव अभियान की शुरुआत हमेशा महाराष्ट्र के नंदुरबार से करती थीं। वे मानती थीं कि आदिवासी समाज की संस्कृति सबसे अच्छी और अनूठी है क्योंकि वह प्रकृति का सम्मान और संरक्षण करती है।ष खरगे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, ष्सशक्त एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में अपनी दक्षता, दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व, अद्वितीय कार्यशैली एवं दूरदर्शिता से भारत निर्माण में अग्रणी योगदान देने वाली भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री और हमारी आदर्श, इंदिरा गांधी जी को भावभीनी श्रद्धांजलि।ष कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ष्आज उस सशक्त महिला की 107वीं जयंती है, जिनका न सिर्फ जन्म इतिहास था बल्कि जिन्होंने कई तरीकों से इतिहास को आकार भी दिया।

जी20 में प्रधानमंत्री मोदी बोले....

जंग से दुनिया में खाने का संकट

● गरीब देशों पर इसका सबसे ज्यादा असर, बाइडेन, मैक्रों, मेलोनी से मिले

● मोदी ने छह नेताओं से की द्विपक्षीय मुलाकात

रियो डि जनेरियो,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां जी–20 शिखर सम्मेलन के इतर इंडोनेशिया, पुर्तगाल, नॉर्वे, इटली, फ्रांस और ब्रिटेन के नेताओं के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की और भारत के साथ इन देशों के द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी साझा की। श्री मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से मुलाकात में उन्हें भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। दोनों नेताओं ने मौजूदा क्षेत्रों में भारत इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझीदारी को और मजबूत करने के साथ–साथ इसे नए क्षेत्रों में विस्तारित करने के लिए मिलकर काम करने के तरीकों पर चर्चा की। श्री मोदी ने इसके बाद पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने अर्थव्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और लोगों से लोगों के संबंधों और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग सहित द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर विचार–विमर्श किया। श्री मोदी की नॉर्वे के पीएम जोनास गहर स्टोर से मुलाकात में दोनों पक्षों ने भारत–नॉर्वे द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की जो विशेष रूप से भारत–ईएफटीए–टीईपीए पर हस्ताक्षर के बाद व्यापार और आर्थिक सहयोग पर केंद्रित थी। दोनों नेताओं ने भू–राजनीतिक मुद्दों पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रियो में जी–20 ब्राजील शिखर सम्मेलन में भाग ले रहीं इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने लंबे समय से चले आ रहे भारत इटली द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने और गति देने के लिए भारत–इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025–29 का स्वागत किया। श्री मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से मुलाकात की। नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझीदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभप्रद मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की आवश्यकता को भी स्वीकार किया। श्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से भी मुलाकात की। नेताओं ने व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी, एआई, डीपीआई के क्षेत्रों में भारत एवं फ्रांस के संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने हिन्द प्रशांत समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया।

प्रधानमंत्री को हठ छोड़कर मणिपुर का दौरा करना चाहिए: चिदंबरम

मदुरै,(एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना हठ छोड़कर मणिपुर का दौरा करना चाहिए और राज्य के लोगों से विनम्रता से बात करने के साथ ही उनकी शिकायतों और आकांक्षाओं को सीधे जानना चाहिए। श्री चिदंबरम ने श्एक्सश पर अपने पोस्ट में कहा , ”मणिपुर संकट का समाधान 5,000 और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस जवानों को भेजना नहीं है।

यह स्वीकार करना अधिक समझदारी है कि मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह इस संकट के कारण हैं और उन्हें तत्काल हटा देना चाहिए।“ उन्होंने आगे कहा कि यह अधिक समझदारी है कि मैतेई, कुकी–जो और नागा एक राज्य में एक साथ तभी रह सकते हैं, जब उनके पास वास्तविक क्षेत्रीय स्वायत्तता हो। पिछले साल मई से इम्फाल घाटी में रहने वाले मीतई और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी–जो समुदायों के बीच नौकरियों और शिक्षा में सरकारी अनुदान और कोटा को लेकर जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। हिंसा की घटनाओं में वृद्धि के बीच मणिपुर सरकार ने केंद्र से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम की समीक्षा करने और उसे वापस लेने का अनुरोध किया है, जिसे 14 नवंबर को इम्फाल पश्चिम जिले के सेकमाई और लामसांग, इम्फाल पूर्व में लामलाई, बिष्णुपुर में मोइरांग, कांगपोकपी में लेइमाखोंग और जिरीबाम जिले में जिरीबाम के अंतर्गत आने वाले छह पुलिस थानों की सीमाओं में फिर से लागू किया गया था।

आप की चुनावी तैयारी

भगवान व जनता हमारे साथ

● बहुमत के साथ जीतेगी आप, अरविंद केजरीवाल बोले

नई दिल्ली,(एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल ने पदाधिकारी सम्मेलन में आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने आप नेताओं को जेल भेज कर, खरीदकर, सारे षडयंत्र करके देख लिए, लेकिन आप इनके काबू में नहीं आई। दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा सारे हथकंडे अपनाएगी, लेकिन आखिर में जीत हमारी ही होगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पदाधिकारी सम्मेलन को संबोधित किया। इसके तहत उन्होंने दक्षिणी दिल्ली, उत्तर–पूर्वी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली लोकसभा में मंडल प्रभारियों से बात कर हर बूथ जीतने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि भगवान आप के साथ है। इस बार भी आप प्रचंड बहुमत के साथ दिल्ली का चुनाव जीतेगी। उन्होंने दावा किया कि एमसीडी मेयर चुनाव में भगवान ने आप को यह संकेत दे दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पूरे आत्म विश्वास में थी कि पैसा और पावर से आप के पार्षदों को तोड़कर एमसीडी मेयर का चुनाव जीत लेंगे। लेकिन, भगवान ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया और आप जीत गई। आप देती है छह रेवड़ियां रू केजरीवाल केजरीवाल ने कहा कि आप सच्चाई के रास्ते पर चल रही है। लड़ाई बहुत मुश्किल है। पिछले दो साल के अंदर आप ने जो झेला है ऐसा किसी पार्टी के ऊपर इतना जबरदस्त वार नहीं हुआ होगा। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा कहती है कि आप मुफ्त की रेवड़ी देती है। उन्होंने कहा, हां आप फ्री की छह रेवड़ियां देती है। भाजपा की 20 राज्यों में सरकार है, लेकिन वो एक भी राज्य बता दे जहां इनमें से एक भी रेवड़ी मिलती हो। पहली रेवड़ी है कि 24 घंटे बिजली आना। दूसरी पानी फ्री कर दिया। तीसरी स्कूल अच्छे कर दिए। चौथी इलाज मुफ्त कर दिया। पांचवीं रेवड़ी महिलाओं की फ्री बस यात्रा है। छठी रेवड़ी तीर्थयात्रा है। भाजपा वाले ये नहीं देंगे। आप के पास है जुनून रू पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि आप का सबके बीच एक भावनात्मक रिश्ता है। इस वजह से केजरीवाल कहते हैं कि यह पार्टी नहीं, परिवार है। भाजपा अपनी सारी ताकत लगाकर पिछले दस साल से जब से पार्टी बनी है इस पार्टी को नहीं, बल्कि इस परिवार को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, यह आप की ताकत है कि हम एक परिवार हैं और एक मुट्ठी की तरह एकजुट होकर रहते हैं। दिल्ली चुनाव की घोषणा होने में मुश्किल से 40–45 दिन का समय रह गया है। अब कमर कसकर इसमें लगना पड़ेगा।

किसानों ने 6 दिसंबर से दिल्ली चलो मार्च का किया ऐलान

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। किसान नेताओं ने कहा कि पंजाब में हरियाणा और राजस्थान के रत्नपुर के साथ शंभू और खनौरी सीमाओं पर किसानों का धरना सोमवार को 280 दिन पूरे कर चुका है, लेकिन केंद्र की सरकार ने किसानों और खेत मजदूरों की मांगों को पूरा करने से इनकार कर दिया है। किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) ने सोमवार को घोषणा की कि वे अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के समर्थन में 6 दिसंबर को नई दिल्ली तक शांतिपूर्ण मार्च शुरू करेंगे। चंडीगढ़ के किसान भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, किसान नेताओं ने कहा कि पंजाब में हरियाणा और राजस्थान के रत्नपुर के साथ शंभू और खनौरी सीमाओं पर किसानों का धरना सोमवार को 280 दिन पूरे कर चुका है, लेकिन केंद्र की सरकार ने किसानों और खेत मजदूरों की मांगों को पूरा करने से इनकार कर दिया है। 13 फरवरी को तीन स्थानों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था, जब किसानों और खेत मजदूरों ने अपना दिल्ली चलो मार्च शुरू किया था, लेकिन उन्हें हरियाणा सीमा पर रोक दिया गया था। किसान मजदूर संघर्ष समिति (केएमएससी) के प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल ने घोषणा की कि वह 26 नवंबर को अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठेंगे और अगर मांगें पूरी नहीं हुईं या सरकार बातचीत के लिए आगे नहीं आई, तो दिल्ली तक मार्च शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान नेता केएमएससी के सतनाम सिंह पन्नू और सविंदर सिंह चौटाला और बीकेयू (क्रांतिकारी) के सुरजीत सिंह फुल विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

चुनाव से पहले महाराष्ट्र में बवाल

● विनोद तावड़े पर पैसे बांटने का आरोप, भाजपा ने बताया हताश विपक्ष की साजिश

मुंबई,(एजेंसी)। पालघर के नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को एक होटल के बाहर बहुजन विकास अघाड़ी के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। होटल के अंदर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की बैठक चल रही थी। बहुजन विकास अघाड़ी के विधायक क्षितिज ठाकुर और उनके कार्यकर्ताओं ने भाजपा पर पैसे बांटने का आरोप लगाया। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सोमवार को पालघर में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, बहुजन विकास अघाड़ी ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर पैसे बांटने का आरोप लगाया। दावा किया गया कि नालासोपारा में उन्होंने लोगों को प्रलोभन देने के लिए पैसे बांटे। हालांकि, तावड़े ने ऐसे आरोपों से साफ इनकार किया है। उन्होंने कहा कि आरोपों की जांच होनी चाहिए। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएं। चुनाव आयोग इसकी जांच करे। क्या है मामला? पालघर के नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को एक होटल के बाहर बहुजन विकास अघाड़ी के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। होटल के अंदर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की बैठक चल रही थी। बहुजन विकास अघाड़ी के विधायक क्षितिज ठाकुर और उनके कार्यकर्ताओं ने भाजपा पर पैसे बांटने का आरोप लगाया। ठाकुर ने दावा किया, श्कुछ भाजपा नेताओं ने मुझे बताया कि भाजपा महासचिव विनोद तावड़े मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए 5 करोड़ रुपये बांटने विरार आ रहे हैं। मुझे लगा कि उनके जैसा राष्ट्रीय नेता इतना छोटा काम नहीं करेगा। फिर मैंने उन्हें यहां देखा। मैं चुनाव आयोग से उनके और भाजपा के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं। बीवीए विधायक ने आरोप लगाया कि जिस होटल में तावड़े ठहरे थे, वहां सीसीटीवी रिकॉर्डिंग भी बंद कर दी गई थी। विनोद तावड़े ने क्या कहा? मामले में प्रतिक्रिया देते हुए विनोद तावड़े ने कहा कि नालासोपारा के विधायकों की बैठक चल रही थी।

मतदान के दिन के लिए आदर्श आचार संहिता, वोटिंग मशीन को कैसे सील किया जाएगा और अगर कोई आपत्ति दर्ज करानी है तो क्या करना है? मैं उन्हें इसके बारे में बताने गया था। बहुजन विकास अघाड़ी के कार्यकर्ता अप्पा ठाकुर और क्षितिज को लगा ।

कि हम पैसे बांट रहे हैं। चुनाव आयोग और पुलिस को जांच करनी चाहिए, सीसीटीवी फुटेज निकालने चाहिए। मैं 40 साल से पार्टी में हूं। अप्पा ठाकुर और क्षितिज मुझे जानते हैं, पूरी पार्टी मुझे जानती है।

क्या दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ नहीं पा रहे गृह मंत्री ?: कांग्रेस

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि मणिपुर विधानसभा में 60 विधायक हैं। कल रात मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इंफाल में छक। के सभी विधायकों की बैठक बुलाई, जिसमें उनके अलावा केवल 26 ही उपस्थित हुए। सत्तारूढ़ राजग के कुछ विधायकों के कथित तौर पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं होने को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को भाजपा पर कटाक्ष किया है। कांग्रेस ने तंज भरे लहजे में कहा कि दीवार पर लिखा हुआ स्पष्ट है और पूछा कि क्या गृह मंत्री अमित शाह इसे पढ़ रहे हैं। कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने यह भी पूछा कि मणिपुर के लोगों की कष्टदायी पीड़ा कब तक इसी तरह जारी रहेगी। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि मणिपुर विधानसभा में 60 विधायक हैं। कल रात मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इंफाल में छक। के सभी विधायकों की बैठक बुलाई, जिसमें उनके अलावा केवल 26 ही उपस्थित हुए। इन 26 में से 4 छच्च के हैं, जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष पहले ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को मौजूदा मुख्यमंत्री से समर्थन वापस लेने के लिए पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने कहा कि दीवार पर लिखी इबारत बिल्कुल साफ है। लेकिन क्या मणिपुर के बड़े सूत्रधार – केंद्रीय गृह मंत्री, जिन्हें प्रधानमंत्री ने राज्य की सारी जिम्मेदारी सौंप दी है और आउटसोर्स कर दिया है – इसे पढ़ रहे हैं? मणिपुर के लोगों की असहनीय पीड़ा, दुख, और तकलीफ कब तक यूं ही जारी रहेगी? द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लगातार दूसरे दिन मणिपुर की सुरक्षा स्थिति और वहां सुरक्षाबलों की तैनाती की समीक्षा की। सूत्रों ने बताया कि शाह ने शीर्ष अधिकारियों को जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में जल्द से जल्द शांति एवं व्यवस्था बहाल करने का निर्देश दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय मणिपुर में मौजूदा ‘अस्थिर’ स्थिति से निपटने में राज्य सरकार की मदद के लिए लगभग 5,000 अर्धसैनिक बलों को भी वहां भेज रहा है।

मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में उत्तर भारत

● गोपाल राय बोले– सो रहे देश के पर्यावरण मंत्री

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण की गंभीर स्थिति को लेकर आपातकालीन बैठक बुलाने के संबंध में दिल्ली सरकार के लगातार अनुरोध के बावजूद भाजपा के पर्यावरण मंत्री सो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से एक बार फिर प्रदूषण पर आपात बैठक बुलाने और कृत्रिम बारिश की अनुमति देने का अनुरोध करता हूं। दिल्ली का प्रदूषण गंभीर स्थिति में है। वहीं, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भाजपा औक केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण की गंभीर स्थिति को लेकर आपातकालीन बैठक बुलाने के संबंध में दिल्ली सरकार के लगातार अनुरोध के बावजूद भाजपा के पर्यावरण मंत्री सो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से एक बार फिर प्रदूषण पर आपात बैठक बुलाने और कृत्रिम बारिश की अनुमति देने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हस्तक्षेप करना चाहिए, कार्रवाई करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है तथा केंद्र को प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। गोपाल राय ने कहा कि ‘ग्रैप’ को पूरे उत्तर भारत में लागू किया जाना चाहिए, भाजपा शासित राज्यों में नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम लगातार काम कर रहे हैं। हमने ठै–प्प्प् पेट्रोल चार पहिया वाहनों, ठै–प्ट डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। बाहर से आने वाले सभी ट्रक, डीजल बसों पर रोक लगा दी गई है. 10वीं और 12वीं के लिए भी स्कूल बंद कर दिए गए हैं. तीसरा, कार्यालयों के लिए समय अलग–अलग कर दिया गया है। रही बात वर्क फ्रॉम होम की तो हम उस पर भी काम कर रहे हैं। जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। हम उस पर अमल भी करेंगे। आप नेता ने कहा कि हम उन सभी चीजों पर काम कर रहे हैं जो हमारे हाथ में हैं और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। हम केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के साथ एक आपात बैठक की मांग कर रहे हैं ताकि हम जमीन पर सभी कार्रवाई कर सकें। हम ऑड–ईवन पर भी चर्चा कर रहे हैं लेकिन अब एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि हमने इतनी पाबंदियां लगा दी हैं, लोग अब विचार कर रहे हैं कि इसका कितना असर होगा। उन्होंने कहा कि पूरा उत्तर भारत मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में है। राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार को इस तरह से देश के लोगों की जान खतरे में डालने का अधिकार नहीं है।

इस पर काम करना होगा. दिल्ली सरकार अपने स्तर पर जो भी काम कर सकती है, कर रही है। उन्होंने कहा कि हम सितंबर से काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार इस तरह चुप नहीं रह सकती।

चलन

क्या सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि यूपीआई एग्रीगेटर अपना बोझ यूजर्स पर ट्रांसफर ना करें? अगर वह ऐसा नहीं कर सकती, तो उसका मतलब छोटे ऑनलाइन भुगतान को हतोत्साहित करना समझा जाएगा।यूपीआई के जरिए दो हजार रुपये से कम के भुगतान पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने का प्रस्ताव फिलहाल टल गया है। सोमवार को हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में इस पर सहमति नहीं बनी, इसलिए इसे विचार के लिए फिटमेंट कमेटी को भेज दिया गया है। अब कमेटी बताएगी कि यूपीआई पेमेंट पर टैक्स लगाने के क्या प्रभाव होंगे।प्रस्ताव यह है कि ऐसे हर भुगतान पर पेमेंट एग्रीगेटर को (यानी जिस ऐप के जरिए भुगतान किया गया हो), 18 प्रतिशत जीएसटी देना होगा। ये आशंका ठोस है कि ये एग्रीगेटर खुद पर पडने वाले टैक्स के बोझ के कारण सेवा को महंगा बना देंगे। अंततरू यूपीआई के जरिए 2000 रुपये से कम का भुगतान अभी की तरह बिना लागत के नहीं रह जाएगा।

मुद्दा है कि क्या सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि एग्रीगेटर अपना बोझ यूजर्स पर ट्रांसफर ना करें? वह ऐसा नहीं कर सकती, तो उसका मतलब छोटे ऑनलाइन भुगतान को हतोत्साहित करना समझा जाएगा। यह निर्विविद है कि यूपीआई भुगतान का चलन बढने से आम जन की जिंदगी आसान हुई है।इससे हाट–बाजार में लोगों को खुल्ले पैसा संबंधी दिक्कतों से राहत मिली है। आज एक रुपया से लेकर बड़े–बड़े भुगतान के लिए लोग यूपीआई का सहारा ले रहे हैं। आंकड़ा यह है कि कुल पेमेंट में लगभग 80 फीसदी भुगतान 2000 रुपये से कम के होते हैं।

आशंका है कि सरकार की नई मंशा से लोगों के लिए ऐसे भुगतान करना महंगा हो जाएगा। इस तरह बाजार में नकदी का चलन बढ़ेगा, जिसे घटाना सरकार का घोषित उद्देश्य रहा है। इसलिए बेहिचक कहा जा सकता है कि छोटे यूपीआई भुगतानों पर जीएसटी लगाना गलत सोच पर आधारित प्रस्ताव है। फिटमेंट कमेटी को इसे सिरे से ठुकरा देना चाहिए।यह अच्छी बात है कि जीएसटी काउंसिल ने कैंसर की दवाओं पर जीएसटी घटा दिया गया है। साथ ही जीवन बीमा और मेडिकल बीमा पॉलिसियों पर लगने वाले 18 फीसदी जीएसटी पर पुनर्विचार की जिम्मेदारी एक समिति को सौंपी गई है। ये टैक्स भी गलत सोच पर आधारित हैं। बुनियादी रूप से इन चीजों पर टैक्स होना ही नहीं चाहिए।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुला:आज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिक: आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनु: आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकर: आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभ: आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीन: आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

प्रियंका गांधी की राजनीति में सक्रिय एंट्री

पुरानी बात है। तब लाल कृष्ण आडवानी देश के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे (2002–04)। उनके निवास स्थान पर एक मुलाकात के दौरान मैंने उनसे प्रियंका गांधी के राजनीतिक भविष्य के बारे पूछा था। अडवानीजी का जवाब था, "हां, वह एक चुनाव जीत सकतीं हैं"। प्रियंका उस वक्त लगभग 30 वर्ष की थीं। 1989 में जब वह 17 वर्ष की थीं तो अपने पिता राजीव गांधी के लिए उन्होंने प्रचार किया था पर अधिकतर मां और भाई का हाथ ही बँटाती रहीं। उस वक्त कहा गया कि प्रियंका की सबसे बड़ी खघसियत है कि न केवल शक्ल बल्कि हाव भाव में भी वह इंदिरा गांधी से मिलती हैं। जब मां सोनिया गांधी कर्नाटक में बेल्लारी में सुषमा स्वराज के खिलाफ चुनाव लड़ रहीं थी और प्रियंका वहां प्रचार करने गई थी, तब भी वहां कहा गया कि वह 'इंदिरा अम्मा जैसी लगतीं हैं"।

सोनिया गांधी पर अपनी किताब, द रैड साड़ी में लेखक जैवियर मोरों प्रियंका के बारे लिखते हैं कि, " वह इंदिरा गांधी जैसी बहुत लगती हैं। वही चाल ढाल, वही चमकती आंखें"। जैड एडम्स जिन्होंने किताब लिखी थी द डायनेस्टीरू द नेहरू गांधी स्टोरी में बताया है कि "राजीव गांधी भी अपनी बेटी प्रियंका की तुलना अपनी मां इंदिरा से करते थे क्योंकि दोनों में दृढ़ इच्छाशक्ति है"। यह भी कहा गया कि प्रियंका में अपनी दादी की जुझारू भावना है। उन्हें राजनीति का शौकघ शुरू से है जिस मामले में वह अपने भाई से अलग हैं। राहुल गांधी का राजनीति में प्रवेश मजबूरी में अनिच्छा से हुआ था। याद करिए कि राहुल ने कहा था कि जब वह पहली बार पार्टी के उपाध्यक्ष बने तो जहां सब उन्हें बधाई दे रहे थे उनकी मां ने कमरे में आकर रोते हुए कहा था कि राजनीति 'जहर' है। जहां तक प्रियंका गांधी का सवाल है उन्होंने ऐसी कोई कमजोरी नहीं दिखाई। राजनीति में उन्हें इतनी दिलचस्पी थी कि चिन्तित राजीव गांधी ने साथियों से भी कहा था कि वह प्रियंका को राजनीति में प्रवेश से मना करें।

पर प्रियंका का राजनीतिक प्रवेश ठहर गया था। इस बीच प्रियंका भाषण देती रही पर सक्रिय राजनीति से वह अलग रही। भाषण देने में वह अधिक सहज और साफ हैं। हिन्दी बोलने पर उनका अच्छा अधिकार है। राहुल गांधी को भी शुरू में समस्या आई थी चाहे अब वह अधिक सहज है पर प्रियंका का व्यक्तित्व अधिक आकर्षक है और वह अपनी दादी की ही तरह लोगों से रिश्ता जोड़ लेती हैं। भीड़ को आकर्षित करने की क्षमता है। वह अधिकतर पृष्ठभूमि में रह कर पहले मां और फिर भाई की मदद करती रही पर अब पहली बार सक्रिय राजनीति में कदम रखा है और केरल से वायनाड से उपचुनाव लड़ रही हैं जो सीट उनके भाई ने खघली की है। यह दिलचस्प है कि यह प्रियंका गांधी का पहला चुनाव होगा जबकि राहुल गांधी अब तक पांच बार चुनाव लड़ जीत चुके हैं।इस बीच प्रियंका ने राजनीति में जो भी कदम उठाए, आलोचक इसे सफल न मानते हों लेकिन एक प्रकार से उन्होंने आडवानी जी की भविष्यवाणी को गलत साबित कर दिया। देश भी बदल गया और 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 साल से नीचे है। इंदिरा गांधी जैसा लगना की बातें उनके पक्ष में जाती हैं। प्रियंका के साथ दो बड़ी असफलताएं जुड़ी हुईं हैं। 2019 में वह पार्टी की महासचिव बनी और उन्हें उत्तर प्रदेश का कार्यभार सम्भाला गया। राजनीति में वह कांग्रेस की उम्मीदों के मुताबिक सफल नहीं रही लेकिन वह आज भी डंटी हुई हैं। 2022 के चुनाव में 'लड़की हूं, लड़ सकती हूंश का नारा भी दिया लेकिन राजनीति में उतार–चढ़ाव चलते रहते हैं और पार्टी का वोट 2017 के 6 प्रतिशत से 2022 में गिर कर 2 प्रतिशत रह गया था।

आज बदली हुई परिघ्स्थितियों के बीच अब प्रियंका वायनाड से उम्मीदवार हैं जहां उनके जीतने की प्रबल संभावना है। चुनाव क्षेत्र की बनावट ऐसी है कि प्रियंका को हराना बहुत मुश्किल है चाहे इंडिया गठबंधन के घटक सीपीआई ने भी उम्मीदवार खड़ा किया है। वहां 43 प्रतिशत मुसलमान,13 प्रतिशत ईसाई,10 प्रतिशत आदिवासी और 7 प्रतिशत दलित हैं। यह जुटाव भाजपा को कोई मौकघ ही नहीं देगा जिसने वहां उम्मीदवार खड़ा किया है क्योंकि अल्पसंख्यक पार्टी से दूर हैं। श्बंटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारों से अल्पसंख्यक और दूर जाएंगे। जब–जब उत्तर भारत ने गांधी परिवार को ठुकराया तो दक्षिण ने शरण दी है। अमेठी हारने के बाद राहुल भी वायनाड चले गए थे। उनसे पहले इंदिरा गांधी ने तेलंगाना में मेडक से चुनाव लड़ा था। जब एमरजैंसी के बाद उत्तर भारत में वह ठुकराई गई तो कर्नाटक में चिकमंगलूर से चुनाव जीत कर अपनी वापिसी की शुरुआत की थी। सोनिया गांधी ने भी बेल्लारी का सहारा लिया था। प्रियंका गांधी सक्रिय राजनीति में उस समय कदम रख रही हैं जब कांग्रेस हरियाणा की हार से कुछ लड़खड़ा गई है। लोकसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन से जो बढ़त मिली थी वह हरियाणा में खो दी गई। लोकसभा चुनाव के बाद नरेन्द्र मोदी कुछ देर शांत रहे थे पर अब वह भी पुराने स्टाइल में लौट आए हैं। हरियाणा की हार के लिए कांग्रेस का हाईकमान ही जिम्मेवार है। राहुल गांधी नाराज बताए जाते हैं पर उन्होंने ही सब कुछ भूपिन्दर सिंह हुड्डा के हवाले कर दिया था। कुमारी शैलजा 15 दिन नाराज बैठी रही पर कोई मनाने नहीं गया। जब तक वह प्रचार में अनिच्छुक शामिल हुई तो बहुत देर हो चुकी थी और दलित वोट कांग्रेस से खिसक चुका था। राहुल गांधी का प्रचार भी फीका रहा। अकेले लड़ने का निर्णय भी उल्टा पड़ा। अगर कांग्रेस नौ सीटों पर 22916 वोट और जीतने में सफल हो जाती तो उसका बहुमत होता। जिस जगह राहुल गांधी ने जलेबी खाई और जिसका प्रचार किया गया और बाद में उस पर विवाद भी उठे और वहां भी कांग्रेस हार गई।

जम्मू में भी कांग्रेस अपना खाता नहीं खोल सकी और कश्मीर में जो प्राप्ति हुई वह नेशनल कांफ्रेंस की मेहरबानी से हुई। इस सब का परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस की हवा बनते बनते खघ्राब हो गई। उत्तर प्रदेश के 10 उपचुनाव में पार्टी ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा। अखिलेश यादव ने मौका ही नहीं दिया। महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस जो सबसे बड़ी पार्टी है, उद्धव ठाकरे और शरद पवार के दबाव में आ गई और तीनों अब बराबरी पर हैं।

जब बहुत अधिक केन्द्रीयकरण हो जाए तो यह ही होता है। जवाबदेही नहीं रहती। विदेशों में राहुल गांधी शिकायत करते हैं कि देश में लोकतंत्र खघ्तरे में है पर अगर प्रियंका जीत जाती हैं तो संसद में गांधी परिवार के तीन सदस्य होंगे। संदेश है कि कांग्रेस में लोकतान्त्रिक सिद्धांत नहीं, वंशवाद का सिद्धांत चलता है। शिखर पर किसी और के लिए जगह खघली नहीं है। प्रियंका के सांसद बनने से क्या कोई फर्कघ पड़ेगा? पहली बात तो है कि अभी प्रियंका गांधी की परीक्षा होनी है। फिर भी उनमें कुछ योग्यता है जिसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता। उनमें दृढ़ता है जो शायद दो पारिवारिक ट्रैजेडी सहने के बाद पैदा हो गई है। जब पिता राजीव गांधी की श्रीपेरम्बूदर में हत्या हुई तो प्रियंका केवल 19 वर्ष की थीं। राहुल हार्वर्ड में पढ़ रहे थे। प्रियंका ने ही न केवल बुरी तरह से टूटी हुई मां को सम्भाला बल्कि सारा प्रबंध भी देखा। उस भयानक क्षण में उन्होंने गजब की परिपक्वता और प्रबंधन का परिचय दिया। बाद में उन्होंने ही अपनी मां को राजनीति में कदम रखने के लिए प्रेरित किया कि अगर वह कदम नहीं रखेंगी तो पार्टी बिखर जाएगी।

प्रियंका गांधी की जिन्दगी का एक अनोखा पन्ना और है। यह राजीव गांधी की हत्यारिन नलिनी मुरगन के प्रति उनका सहानुभूतिपूर्ण रवैया था। प्रियंका उससे बेल्लूर जेल में जा कर मिली थी। नलिनी जिसको फांसी लगनी थी,की एक छोटी बेटी भी थी। प्रियंका के सुझाव पर सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति के आर नारायणन को पत्र लिखा था कि "न मैं और न ही मेरे बच्चे राहुल और प्रियंका चाहते हैं कि एक और जिन्दगी को बुझा दिया जाए। उसकी छोटी बेटी है। मेरे बच्चों ने भी पिता खोया था। कोई भी बच्चा हमारे कारण अनाथ नहीं बनना चाहिए. .. इसलिए हमारी अपील है कि उसे फांसी के फंदे से बचा लिया जाए"। उसी के बाद नलिनी की कघ्स्मित बदल गई और वह फांसी से बच गई। 31 साल के बाद वह जेल से बाहर आ गई। प्रियंका की सक्रिय राजनीति में एंट्री को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं, और उठाए जाते रहेंगे। राहुल–कांग्रेस में उनकी भूमिका क्या होगी? क्या वह कांग्रेस के संगठन की कमजोरियों को खघ्त्म कर सकेंगी? क्या दक्षिण में कांग्रेस और मजबूत होगी? यह सब सार्थक है, पर नलिनी मुरगन की रिहाई के मामले में परिवार ने जो भूमिका निभाई जिसमें प्रियंका प्रेरक थीं, निश्चित तौर पर असाधारण इंसानियत का परिचय देती है।

लोग किसके वंश को अपना नेतृत्व सौंपेंगे

कांग्रेस पर वंशवाद का आरोप इस हद तक चढ़ा कि पार्टी की जड़ें कमजोर करने में उसकी प्रमुख भूमिका रही। लेकिन तब जो दल और नेता कांग्रेस को निशाना बनाते थे, मौका मिलते ही वे सियासत में अपना वंश बढ़ाने में जुट गए।

वैसे चर्चा पहले से थी, लेकिन अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने बेटे उदयनिधि मारन को अपना औपचारिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है। ठीक उसी तरह जैसे उनके पिता एम। करुणानिधि ने स्टालिन को अपना उत्तराधिकारी बनाया था। करुणानिधि ने अपनी दूसरी संतानों को भी राजनीति में यथासंभव स्थापित करने में अपनी पूरी ऊर्जा लगाई। उदयनिधि को उप–मुख्यमंत्री बना दिया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसे एक स्वाभाविक घटना के रूप में लिया गया है। यहां तक कि अखिलेश यादव सहित कुछ नेताओं ने उदयनिधि को बधाई भी दी है। अखिलेश खुद अपने पिता का उत्तराधिकार संभाल रहे हैं। यह भारतीय लोकतंत्र की अजीबोगरीब कहानी है। आज देश का नक्शा लेकर राज्य दर राज्य नजर डालिए, तो ऐसे उत्तराधिकारी हर जगह नजर आएंगे! ऐसी घटनाएं इतनी आम हो गई हैं कि अब वैसा गुस्सा नजर नहीं आता, जिसकी कभी कांग्रेस को भारी कीमत चुकानी पड़ी थी।

जब इंदिरा गांधी ने 1970 के दशक में संजय गांधी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में आगे बढ़ाना शुरू किया, तो समाज में उसको लेकर एक तरह की वितृष्णा देखी गई। एक विमान हादसे में संजय गांधी की मौत के बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अपने बड़े बेटे राजीव गांधी को उनकी पायलट की नौकरी छुड़वा कर राजनीति में खींच लाईं, तो यह वितृष्णा और बढ़ी। जब इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी को प्रधानमंत्री बनाया गया, तो अनेक लोगों ने कहा था कि यह घटना भारतीय नागरिकों को श्प्रजाद्य बना देना है।

कांग्रेस पर वंशवाद का आरोप इस हद तक चढ़ा कि पार्टी की जड़ें कमजोर करने में उसकी प्रमुख भूमिका रही। लेकिन तब जो दल और नेता कांग्रेस को निशाना बनाते थे, मौका मिलते ही वे सियासत में अपना वंश बढ़ाने में जुट गए। भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियां ही शायद ऐसे दल बचे हैं, जहां सर्वोच्च स्तर पर वंश के आधार नेतृत्व तय नहीं हुआ है। हालांकि निचले स्तर पर वहां भी ऐसी मिसालें कम नहीं हैं। इस तरह चुनावी लोकतंत्र में सामंतवाद की वापसी हो गई है। अब चुनावों में सवाल सिर्फ यह रह गया है कि लोग किसके वंश को अपना नेतृत्व सौंपेंगे!

कनाडा: अब बर्दाश्त से बाहर

भारत ने गृहमंत्री पर कनाडा के उपविदेश मंत्री की ओर से की गई टिप्पणियों को बेतुका और निराधार बताते हुए कनाडा पर जमकर पलटवार किया है। विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को लेकर कनाडा के सामने आधिकारिक प्रोटेस्ट भी दर्ज कराया है। कनाडा द्वारा भारत के गृहमंत्री का नाम लेना दोनों देशों के संबंधों में गंभीर मोड़ का संदेश देता है। ऐसे झूठे आरोप ने संबंधों पर काली छाया डाल दी है और यह काली छाया जल्द हटने के आसार नजर नहीं आ रहे। भारत ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि कनाडा सरकार भारत को बदनाम करने और अन्य देशों को प्रभावित करने के लिए गैर प्रमाणिक दावे कर रही है। कनाडा की हिमाकत इतनी हो गई है कि उसने खतरा पैदा करने वाले देशों की सूची में भारत को भी शामिल कर लिया है। यह पहली बार है कि कनाडा की इस लिस्ट भारत का नाम आया है। पिछले साल जून में खालिस्तान समर्थक कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद जस्टिन ट्रूडो द्वारा भारत की ओर लगातार उंगली उठाए जाने से शुरू हुई तकरार अब राजनयिक संबंधों पर भी बढ़ चुकी है। दोनों देशों के कई राजनयिक अपने देशों को लौट चुके हैं। कनाडा में दीपावली समारोह रद्द होने से यह साफ संकेत मिले हैं कि वहां का माहौल कितना खराब हो चुका है। कनाडा सरकार द्वारा वहां तैनात भारतीय काउंसलर अधिकारियों की लगातार निगरानी की जा रही है। भारत लगातार कहता आ रहा है कि कुछ कनाडाई सिख भारत के भीतर एक अलग सिख देश खालिस्तान बनाने के उद्देश्य से हिंसक खालिस्तानी अंदोलन को बढ़ावा दे रहे हैं और जस्टिन ट्रूडो की सरकार उन्हें लगातार संरक्षण दे रही है। जस्टिन ट्रूडो से किसी बात की उम्मीद रखना अब बेकार है, क्योंकि वे इस मसले पर अपने पिता की ही विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। जस्टिन ट्रूडो के पिता पियरे ट्रूडो भी कनाडा के प्रधानमंत्री रहे हैं। उन्होंने उस खालिस्तानी आतंकी को भारत प्रत्यार्पित करने से इंकार कर दिया घ्था जो एयर इंडिया के कनिष्क विमान में 1985 में धमाके का मास्टर माइंड था। 1970 के दशक में पाकिस्तान की साजिशों के चलते भारत में खालिस्तानी आंदोलन को हवा मिल रही थी। उस समय भारत विरोधी कई सिखों ने राजनीतिक उत्पीड़न का हवाला देते हुए कनाडा में शारणार्थी का दर्जा मांगा था। कनिष्क विमान विस्फोट का मास्टर माइंड खालिस्तानी आतंकवादी तलविदंर सिंह परमार भी उन्हीं में से एक था। परमार पर पुलिस अधिकारियों की हत्या का आरोप था। 1982 में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने कनाडा से परमार के प्रत्यार्पण की मांग की थी लेकिन पियरे ट्रूडो सरकार ने साफ इंकार कर दिया था।परमार आगे चलकर खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा का मुखिया बना जिसने जून 1985 में कनिष्क नामक एयर इंडिया के विमान में ब्लास्ट करवाया था। हमले में कुल 329 लोग मारे गए जिनमें से 280 कनाडाई नागरिक थे। परमार ने धमकी दी घ्थी कि भारतीय विमान आसमान से गिराए जाएंगे। सन् 1984 में परमार के साथी अजायब सिंह बागरी ने 50,000 हिन्दुओं को मारने की प्रतिज्ञा की। आज भी पियरे ट्रूडो को कनाडा के सबसे भयानक आतंकी हमले का दोष दिया जाता है।उसके बाद से ही कनाडा लगातार खालिस्तान समर्थकों को पूरा सरंक्षण देता आया है। जस्टिन ट्रूडो भी अपने पिता की तरह भारत को कटघरे में खड़ा कर सिख समुदाय को अपना वोट बैंक बनाए हुए है। हैरानी की बात तो यह भी है कि कनाडा के आतंकवादी तत्वों को खुला संरक्षण देने के बावजूद अमेरिका ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया निज्जर हत्याकांड मामले में कनाडा के समर्थन में बयानबाजी कर भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत और कनाडा के बीच अब जो राजनयिक तूफान खड़ा हुआ है उसके पीछे भी वोट बैंक की ही राजनीति है।सोवियत यूनियन के विघटन के बाद किसी भी पश्चिमी देश के साथ भारत के संबंध इतने खराब नहीं रहे हैं। भारत ने कोल्ड वार के बाद अमेरिका की अगुवाई वाले पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते सुधारे हैं और धीरे–धीरे एक मुकम्मल मार्केट इकोनॉमी बनने की दिशा में आगे बढ़ता रहा है। भारत ने जी–7 और नाटो देशों के साथ आर्थिक, व्यापार और राजनीतिक रिश्ते सुधारने की कोशिश की है। कनाडा इन दोनों समूहों का हिस्सा है और अमेरिका के साथ उसके बेहद करीबी सैन्य संबंध हैं जो नार्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड यानी नोराड के जरिए प्रतिबिंबित होते हैं। दोनों के देशों की अर्थव्यवस्था भी एक–दूसरे से करीबी रूप से जुड़ी हुई है।अब सवाल यह है कि दोनों देशों के रिश्ते किस दिशा की ओर बढ़ रहे हैं। भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की गारंटी के बगैर संबंधों में सुधार मुश्किल है। कनाडा ऐसा करेगा यह टेढ़ी खीर लगता है। संबंधों के बिगड़ने से दोनों देशों के बीच व्यापारिक और नागरिक संबंध प्रभावित होंगे। कनाडा जाकर पढ़ने वाले छात्र प्रभावित हो रहे हैं। विदेशी छात्र कनाडा के राजस्व में काफी बड़ा योगदान देते हैं। व्यापार प्रभावित होने से भी कनाडा को ही ज्यादा नुक्सान होगा। कनाडा में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं और उन्हें काउंसलर सेवाओं की जघ्रूरत है ऐसे में उन्हें राजनयिक प्रतिनिधित्व चाहिए। कनाडा हिंसा और नफरत को बढ़ावा देकर भारत के विरुद्ध अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहा है। कनाडा में रहने वाले हिन्दू महसूस कर रहे हैं कि उनके देश के भीतर सांप अपना सिर उठा रहा है और फुफकार रहा है और वह कनाडा को ही मारने के लिए कब काटेगा, यह समय की बात है। कोई भी देश कनाडा की हिमाकत को सहन नहीं कर सकता इसलिए ही भारत ने उसको मुंहतोड़ जवाब दिया है।

अस्पताल के निरीक्षण में मिली काफी खामियां

सीतापुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डा प्रियंका मौर्य ने शुक्रवार को जिला महिला अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुनीता कश्यप से अस्पताल में उपलब्ध फैसिलिटी की जानकारी ली। अस्पताल में बेडों की उपलब्धता की जानकारी ली। अस्पताल में डिलीवरी दर, दवाओं की उपलब्धता आदि की जानकारी लेकर आवश्यक

➤ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को महिला वार्ड में बेडशीट चेंज न होने पर नोटिस जारी करने के दिये निर्देश

निर्देश दिये। अस्पताल में ओपीडी की जानकारी लेकर सभी मरीजो के साथ अच्छा व्यवहार करने के निर्देश दिया। डेंगू के प्रकोप की स्थिति की जानकारी लेकर डेंगू के नियंत्रण हेतु हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिये। मरीजो की समस्याओं और शिकायतो को प्राथमिकता पर शासन की मंशानुरूप निस्तारित करने के निर्देश प्रदान किया। महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने अस्पताल में सुरक्षा कर्मियों की कमी को अवगत कराते हुए अस्पताल में 24 सुरक्षाकर्मियों की आवश्यकता से अवगत कराया। अस्पताल में चिकित्सक उपस्थित पंजिका का अवलोकन कर कुल 14 डॉक्टरों के नाम अंकित पाया। कुल अंकित 14 चिकित्सको में से कुल अभी केवल चिकित्सक उपस्थित की जानकारी ली। महिला अस्पताल में महिलाओं के अल्ट्रासाउंड को पुरुष चिकित्सक द्वारा होने की जानकारी पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। बाबू अनुपस्थित मिले। ओपीडी कक्ष, टीकाकरण कक्ष, आयुष्मान वार्ड, अल्ट्रासाउंड, पैथालॉजी कक्ष, किचेन कक्ष, एसएनसीयू (नीकू), वन स्टॉप सेंटर, ऑपरेशन कक्ष, लेबर रूम में कितने नॉर्मल केस एवं कितने क्रिटिकल केस

आदि की जानकारी ली। इस दौरान जिला पुरुष चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया। इमरजेंसी कक्ष पहुंचकर आज के पर्चो की जानकारी ली। रजिस्टर पर अंकित मरीजों के विवरण का अवलोकन किया। इमरजेंसी वार्ड पहुंचकर मरीजो से वार्ता किया। महिला वार्ड में बेडशीट चेंज न होने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। गंदगी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। झोले की तकिया बनाकर मरीज सोते मिले, इस पर उन्होंने वार्ड इंचार्ज को फटकार लगाई। बेडसीट, तकिया आदि को प्रतिदिन बदलने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को प्रदान किया। सीरियस महिला मरीज को इमरजेंसी में एडमिट कर इलाज कराने के निर्देश दिया। रसोईघर का निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण भोजन मरीजो को उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित को दिये। अस्पताल में गंदगी को लेकर बार बार नाराजगी व्यक्त किया।

नोटो का कारोबार करने वाले गैंग का पर्दाफाश, गिरफ्तार

मीरजापुर। जनपद में जाली नोटों का कारोबार संचालित किया जा रहा है। पुलिस ने जाली नोटो का कारोबार करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए इन्हें गिरफ्तार किया है। कब्जे से ६ 76,000 मूल्य के भारतीय जाली नोट व नकली नोट छापने में प्रयुक्त उपकरण बरामद किया गया है। बताते चलें कि थाना कछवां क्षेत्रांतर्गत ग्राम कटका से मोटर साइकिल सवार मुलायम गौतम पुत्र छेदी लाल गौतम निवासी जोगीवारी थाना औराई, मदोही व दिलीप गौतम पुत्र कैलाश गौतम निवासी जोगीवारी थाना औराई जनपद भदोही को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार मुलायम गौतम के कब्जे से 200–200 रूपये के कुल 100 जाली नोट 20,000 रूपए व दिलीप गौतम के कब्जे से 200–200 रूपये के कुल 50 जाली नोट 10,000 रूपए बरामद किया गया। जिनकी निशानदेही पर ग्राम मुंसीलाटपुर स्थित ग्राहक सेवा केन्द्र से अन्य 2 राहुल प्रताप राणा पुत्र दिनेश चन्द्र निवासी हरियावां थाना भदोही जनपद भदोही व अवनीश कुमार पुत्र जंगलीराम निवासी कुनवीनपुर थाना औराई जनपद भदोही को गिरफ्तार किया गया तथा जन सेवा केन्द्र से 1 अदद प्रिंटर, से 2 अदद लैपटाप व 46000 रूपये के जाली नोट बरामद किया गया। पूछताछ में गिरफ्तार लोगों द्वारा बताया गया कि उन लोगों द्वारा ग्राहक सेवा केन्द्र के आड़ में जाली नोटों को छापकर बाजार में खपा देते है।

सीएम डैशबोर्ड एवं विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

चित्रकूट। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में माह सितम्बर के शासन द्वारा निर्धारित सीएम डैशबोर्ड एवं विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

डीएम ने सोलर स्ट्रीट लाइट, एकीकृत बागवानी, विद्युत आपूर्ति, कृषि रक्षा रसायन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, कुसुम योजना, आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा के कार्यों, सड़कों का निर्माण, एम्बुलेंस संचालन, स्वास्थ्य सुविधाएं, राज्य वित्त, 15वां वित्त आयोग, पर्यटन विकास कार्यों, निपुण भारत अभियान, पोषण मिशन, मिड–डे मील, गोवंशो का संरक्षण, पशु टीकाकरण, शादी अनुदान योजना, मत्स्य संपदा योजना, पेंशन योजनाएं, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, श्रम सम्मान योजना, पारिवारिक लाभ योजना, एक जनपद एक उत्पाद आदि विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। आजीविका मिशन के संबंध में जिलाधिकारी ने डीसी एनआरएलएम को निर्देशित किया कि जो जमीन विवादित है उसका निस्तारण करकार इस माह सुधार कराए। फैमिली आईडी के संबंध में समाज कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी व जिला दिव्यांग अधिकारी को निर्देशित किए हैं कि पेंशन व उप कृषि निदेशक किसान सम्मान निधि से लाभार्थियों को लाभ दिला कर सीएम डैशबोर्ड के रैकिंग में सुधार कराए। निराश्रित गोवंश के लिए जिन नोडल अधिकारियों को नामित किया गया है समय–समय पर अपनी जिम्मेदारियों के साथ निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रेषित करे। प्रोजेक्ट अलंकार के संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि संबंधित एसडीएम से वार्ता कर जमीन संबंधी विवादो का निस्तारण कराए। 'जिला समाज कल्याण अधिकारी, उपायुक्त उद्योग व क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी' की सीएम डैशबोर्ड पर स्थिति अच्छी न होने पर कहा कि उनके विरुद्ध शासन को पत्र लिखे।

बैठक में सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी, प्रभागीय वनाधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ सुभाष चन्द्र, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक अनुराग शर्मा, लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड संतोष कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजेंद्र कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राजदीप वर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

खाली कराए गए अवैध कब्जा

कौशाम्बी। जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र बभनपुरवा मंजरा बंधवारजवर गांव निवासी दुःखू पुत्र स्वर्गीय रामस्वरूप के पटटे की भूमि पर पड़ोसी लोगों द्वारा अवैध कब्जा करके भूस्वामी को जान से मारने की धमकी दें। रहें। थें। घटना गंभीर होने के कारण पीड़ित ने मंझनपुर तहसील दिवस में जिला अधिकारी को शिकायती पत्र देकर आपबीती बताई, जिला अधिकारी ने कोतवाल को फटकार लगाते हुए। 2 दिन के अंदर राजस्व टीम और पुलिस फोर्स के साथ कब्जा हटाने का फरमान जारी कर दिया। बभन पुरवा मंजरा बंधवारजवर गांव में भूमि आवासीय भूमि का पट्टा दिया गया। हैं। कई वर्षों बाद भूस्वामी को राजस्व प्रशासन कब्जा दिलाने में नाकाम रहा हैं। दबंग किस्म के लोग पटटे की जमीन में एक राय होकर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देकर भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया। अवैध कब्जा दारो के खिलाफ पीड़ित ने तहसील दिवस में जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर राजस्व टीम और पुलिस की लापरवाही का कारण बताया, जिलाधिकारी ने कोतवाल मंझनपुर को फटकार लगाते हुए। 2 दिन के अंदर राजस्व व पुलिस टीम के साथ अवैध कब्जा खाली कराने का निर्देश जारी किया हैं। उन्होंने कहा यदि अवैध कब्जेदार कब्जा खाली करने के उपरांत जमीन पर पुनः कब्जा करते हैं। तो उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराकर जेल भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

संक्षेप

शाम 5 बजे तक नही मिलगी बिजली

तम्बौरध्सीतापुर। रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक नही मिलगी बिजली। जानकारी के मुताबिक अवर अभियंता आकाश वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा बताया राविवार को 33 केवी तंबौर लाइन को छूने वाली पेड़ों की टहनियों की कटाई छटाई व लाइन अनुरक्षण कार्य किया जाना है जिससे सम्मानित उपभोक्ताओं को समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आपूर्ति नही मिल पाएगी उपरोक्त समयाविध में उपभोक्ता अपनी वैकल्पिक व्यवस्था करने का कष्ट करें। वही साथ मे सभी बिजली उपभोक्ताओं से अपील भी की सभी लोग अपना बिजली का बिल समय से जमा करें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

सीतापुर। जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को स्थानीय स्तर पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन प्रत्येक तहसील में किया जाएगा। उक्त तिथि को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में तहसील महमूदाबाद में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन प्रस्तावित है।

लूट का सामान बरामद

लखनऊ (आरएनएस)के थाना पीजीआई पुलिस ने शातिर लूटेरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से लूट के बाद खर्च किए गए पैसे, दो मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है।घटना 21 अक्टूबर 2024 की है, जब विजय कुमार शुक्ला निवासी मौराँवा रोड, लखनऊ ने पुलिस को बताया था कि उसे मारपीट कर दो मोबाइल फोन, पर्स और बैग लूट लिया गया था। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लूटेरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था।पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 6 नवम्बर 2024 को दो शातिर लूटेरोंकृआशीष शर्मा और विजय सोनीकृको कल्ली पश्चिम विस्कुट फैक्ट्री से गिरफ्तार किया। आरोपियों की तलाशी में कुल 1,430 रुपये और दोनों के मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने लूट के पैसे निकालने के बाद पर्स को फेंकने और लूटे गए मोबाइल फोन को अज्ञात राहगीरों को बेचने की बात स्वीकार की।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए धारा 317 (2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की और उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही जारी है।

दहेज हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस) के थाना पीजीआई पुलिस ने दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाले दो दहेज हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी शेर सिंह और रामपाल को 7 नवंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई दहेज के लिए उत्पीड़न और हत्या की धमकी देने के आरोप में की गई है।घटना की जानकारी श्रीराम ने दी थी, जिनका आरोप है कि उनकी पुत्री को उसके ससुराल वालों ने अतिरिक्त दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इसके साथ ही उन्होंने उनके बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी। मामले के बाद पुलिस ने शेर सिंह, रामपाल, और अन्य आरोपी नरसिंह और रामपाल की पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।पुलिस टीम ने आरोपियों को उनके घर 12बी ६ 220, वृन्दावन योजना, थाना पीजीआई, लखनऊ से गिरफ्तार किया। इस मामले में अभी नरसिंह और रामपाल की पत्नी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा रही है।

निगरानी अब ड्रोन तकनीक से होगी

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश में मनरेगा योजनांतर्गत किए गए कार्यों की निरंतर निगरानी ड्रोन तकनीक के माध्यम से की जा रही है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामोन्मुखी योजनाओं का कुशल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, और इन कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों की निगरानी के लिए राज्य मुख्यालय स्तर पर एक ड्रोन टीम तैनात की गई है, जो प्रदेश के विभिन्न जनपदों में जाकर कार्यों की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कर रही है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मनरेगा कार्यों में घालमेल और अनियमितताओं को रोकना है।अब, ड्रोन टीम बाराबंकी और रायबरेली जनपद में पहुंची है, जहां यह टीम इन जिलों की 20–20 ग्राम पंचायतों में वर्ष 2023–24 में किए गए मनरेगा कार्यों की समीक्षा करेगी। इस दौरान टीम स्थानीय अधिकारियों से सहयोग प्राप्त कर कार्यों का निरीक्षण करेगी।आयुक्त, ग्राम्य विकास श्री जी. एस. प्रियदर्शी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार, 08 नवंबर से 17 नवंबर तक बाराबंकी और रायबरेली जनपदों के विभिन्न विकास खंडों में कार्यों की ड्रोन द्वारा निगरानी की जाएगी। इन जनपदों के मुख्य विकास अधिकारियों को भी ड्रोन टीम को सहयोग देने के लिए निर्देशित किया गया है।

तैनात डॉक्टर की बड़ी लापरवाही

मीरजापुर। मुख्यालय स्थित सौ शैय्या युक्त मातृ शिशु स्वास्थ विंग में तैनात डॉक्टर की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां डॉक्टर की लापरवाही से डिलीवरी के बाद नवजात शिशु की मौत हो गई है। जिससे आक्रोशित परिजनों ने नवजात का शव अस्पताल के गेट पर रखकर श हंगामा कर दिया, इससे अफरातफरी मच गई। मरीज के परिजनों का आरोप रहा है कि, ड्युटी पर तैनात डॉक्टर पीयूष अस्पताल में मौजूद नहीं थे। जिनकी अनुपस्थिति में ड्युटी पर मौजूद नर्स व्हाट्सएप पर वीडियो काल के जरिए डॉक्टर पीयूष से दवा पूछ ईलाज कर रही थीं। तीमारदारों का आरोप है कि हालत बिगड़ने पर परिजनों को नही दी गई कोई सूचना। मामले की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस जॉच में जुटी हुई है। महिला अस्पताल परिसर में मौजूद एमसीएच विंग का मामला जो सदैव रहता है सुर्खियों में इसके पहले भी मौत और लापरवाही को लेकर हो चुका है हंगामा।

चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश, महिला सहित 4 गिरफ्तार

मीरजापुरध। विन्ध्याचल पुलिस द्वारा विन्ध्याचल मेला में गाड़ियों के शीशा तोड़कर चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए महिला सहित 4 को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने तथा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान व त्यौहारो के दृष्टिगत अवैध क्रियाकलाप करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी, बरामदगी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष को निर्देश दिये गये हैं। निर्देश के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना विन्ध्याचल पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। विन्ध्याचल पुलिस टीम द्वारा थाना विन्ध्याचल क्षेत्र में भ्रमणशील थे कि इस दौरान थाना विन्ध्याचल क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों द्वारा गाड़ियों के शीशा तोडकर सामानों की चोरी किये जाने की सूचना जरिए मुखबिर प्राप्त हुई। सूचना पर थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा थाना विन्ध्याचल क्षेत्रांतर्गत रेलवे स्टेशन तिराहा से रंजनी नायडू पुत्र सुकैया नायडू, आकाश रंजनी नायडू पुत्र रंजनी नायडू, लक्ष्मी रंजनी नायडू पत्नी रंजनी नायडू व पूजा रंजनी नायडू पत्नी अरूण वालू नायडू समस्त निवासीगण बाकी पाड़र थाना नवापुर जनपद नन्दूखार महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया गया। सभी के कब्जे से 1 अदद चोरी का बैंग, 3 अदद मोबाइल फोन, चोरी का पर्स, शीशा तोड़ने का स्वनिर्मित गुलेलनुमा 2 अदद उपकरण, 5 नग छर्रे व 1550 रूपये नगद बरामद किया गया है।

डीबीए भवन के सामने लगेगी डॉक्टर अंबेडकर की प्रतिमा–श्याम बिहारी

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन भवन के सामने बाबा साहब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने की कवायद तेज हो गई है। अधिवक्ताओं ने डीबीए कैंटीन में बुधवार की शाम बैठक कर रणनीति बनाई है। प्रतिदिन लोगों से संपर्क कर सहयोग राशि इकट्ठी की जाएगी। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव एडवोकेट ने कहा कि डीबीए भवन के सामने बाबा साहब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा निहायत जरूरी है। इसके लिए सभी को एकजुट होकर लोगों से संपर्क कर सहयोग राशि इकट्ठी करनी होगी। मौके पर मौजूद लोगों ने एक स्वर में सहयोग करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा सदस्यता अभियान, चुनाव सहित अन्य मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता डीबीए अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव एडवोकेट और संचालन एडवोकेट संतोष कुमार ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से अधिवक्ता सत्यप्रकाश सिंह कुशवाहा, हरिप्रसाद यादव, रामचंद्र सिंह, रामवृक्ष, राजेश कुमार यादव, आरबी दोहरे, चन्द्रप्रकाश सिंह,धनंजय कुमार मौर्य, कृष्णानंद सिंह, रामजियावन सिंह, आरसी भारत, प्रदीप कुमार, चतुर्भुज शर्मा,विजय कुमार सक्सेना, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, हरिद्वार, संतोष कुमार, रूपवंत राव, संदीप कुमार कुशवाहा, महेंद्र प्रताप सिंह आदि शामिल हैं।

महिला का दो दिन बाद जंगल में मिला शव

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मड़वा धनावल गांव में गुरुवार की शाम दो दिन से लापता 58 वर्षीया महिला का शव खैरहिया जंगल में मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। मड़वा धनावल गांव निवासी राम गोविंद मौर्य उर्फ गोदमनि की 58 वर्षीया पत्नी छोटकी मौर्या मंगलवार सुबह दस बजे के करीब घर से सूखी लकड़ियां लेने के लिए पास स्थित खैरहिया जंगल की ओर गई थी। शाम तक घर नही लौटने पर पति रामगोविन्द ने काफी खोजबीन की लेकिन पत्नी का पता नही चला। गुरुवार को जंगल में मवेशियों को चराने के लिए चरवाहों ने छोटकी मौर्या का शव देखा तो महिला के पति को सूचना दी। चरवाहों के साथ शाम को रामगोविन्द खैरहिया जंगल पहुंचा जहां पत्नी को मृत अवस्था में देखकर रोने बिलखने लगा। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज अरविंद सरोज एस आई भरत राय, अवधेश कुमार सिंह,हेड कांस्टेबल मूलचंद वर्मा खैरहिया जंगल पहुंचें। थानाध्यक्ष ने घटना की जांच पड़ताल करते हुए महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृत महिला राम गोविंद की दूसरी पत्नी थी।मृतका निःसंतान थी। अपने जेठ के लड़के संतोष को गोद लिया। घर में संतोष की पत्नी बुधनी देवी मृतका और उसके पति की देखभाल करती थी संतोष रोजगार की तलाश में मुंबई गया है। परिजनों और ग्रामीणों ने महिला को किसी जहरीले जंतु के काटने की आशंका जताई है।थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि महिला जंगल में सूखी लकड़ियां बीनने गई थी संभवतः किसी जहरीले जंतु के काटने से मौत हो गई है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

किशोरी को अगवा करने वाला गिरफ्तार

मिल्कीपुर–अयोध्या। किशोरी को अगवा करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करने के बाद न्यायालय में पेश किया। जहां से जेल भेज दिया गया। किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया था। मिली जानकारी के मुताबिक थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र के एक गांव की 17 वर्षीय किशोरी 8 नवंबर की सुबह सात बजे अचानक गांव से लापता हो गई थी। काफी समय भी जाने के बाद जब घर वापस नहीं आई तो परिजन खोजबीन करना शुरू किया। लेकिन कहीं पर कोई पता नहीं लग रही थी। काफी प्रयास के बाद दूसरे दिन किशोरी के पिता को जानकारी मिली कि पड़ोसी गांव का एक युवक अपने साथ ले गया है। किशोरी के पिता ने थाना इनायत नगर पहुंचकर आरोपी युवक सूरज यादव पुत्र मनीराम यादव के विरुद्ध पुलिस को तहरीर दिया। तारीख के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। आरोपी कोतवाली क्षेत्र के जमदुतिया जंगल के पीछे ट्यूबेल के पास मौजूद है जानकारी मिलते ही उप निरीक्षक अमर बहादुर पटेल कांस्टेबल राजू प्रसाद ने मौके पर पहुंचकर हिरासत में ले लिया ।

आंसू बहा रहा है बहरौली–जहांगीराबाद मार्ग

बड्डूपुर, बाराबंकी। विकास खंड निदूरा क्षेत्र के बहरौली–जहंगीराबाद मार्ग पर ठेकेदार ने एक वर्ष पूर्व सड़क निर्माण के लिए गिट्टी डालने का कार्य शुरू किया था। एक वर्ष का समय बीतने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं होने के कारण लोगों को गिट्टी वाली सड़क पर आवागमन करना पड़ रहा है। अक्सर लोग सड़क पर गिरकर चोटिल हो रहे

➤ एक वर्ष पूर्व ठेकेदार ने सड़क निर्माण कार्य शुरू किया था, अभी तक पड़ी है अधूरी, राहगीर होते हैं चोटिल

हैं उसके बावजूद कार्यदायी संस्था लापरवाह बनी हुई हुई है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। क्षेत्र के ग्रामीण सेवाराम यादव, संदीप, अमरेन्द्र कुमार, सुरेंद्र, शिवपूजन, विजय कुमार, रामकुमार,अजय कुमार सिंह, राजकुमार आदि लोगों ने बताया कि एक वर्ष पूर्व जिला पंचायत से सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद सड़क निर्माण का शिलान्यास किया गया था। उसके बाद कार्यदायी संस्था जिला पंचायत विभाग ने सड़क पर गिट्टी डालने का कार्य शुरू किया तो लोगों में काफी खुशी थी। सभी को लग रहा था कि अब इस सड़क पर लोगों को आवागमन की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन जल्द ही लोगों का सपना टूट गया।

ठेकेदार द्वारा सड़क पर गिट्टी डालने के बाद निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया गया। जिससे अब और मुसीबत लोगों को झेलनी पड़ रही है। गिट्टी वाली सड़क पर चलने में लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अक्सर मोटरसाइकिल व साइकिल सवार गिरकर इस सड़क पर चोटिल भी रहो रहे हैं। लेकिन जिम्मेदार मूकदर्शक बने हुए हैं। स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। अवर अभियंता, जिला पंचायत सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि निर्माण का कार्य क्यों रुका हुआ है, इसकी जानकारी की जाएगी। कार्यदायी संस्था को जल्द से जल्द सड़क निर्माण का कार्य पूरा करने का निर्देश दिया जाएगा।

सिंधी भाषा को पढ़ने में बढ़ रही विद्यार्थियों की रुचि

अयोध्या। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के सदस्य प्रतिनिधि विश्व प्रकाश रूपन ने सिंधी भाषा के मध्य प्रदेश के इंदौर व उज्जैन शहरों में चल रहे सिंधी लेंगुएज लर्निंग सेंटर के दस से भी अधिक सेंटर्स का निरीक्षण कर सैकड़ों सिंधी भाषा प्रेमियों से मुलाकात कर उनके विचार जानें।समय समय पर शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के देश भर में चल रहे अलग अलग प्रदेशों के विश्वविद्यालयों व अनेक केंद्रों के निरीक्षण और वर्तमान पीढ़ी सहित सिंधी भाषा प्रेमियों की मनःस्थिति को जानने व उसमें निरंतर व्यापक कार्य योजना बना कर सिंधी भाषा के प्रसार का लगातार काम करने का उद्देश्य के प्रकाश में परिषद के सदस्य प्रतिनिधियों सर्व श्री भगतराम छाबड़ा, मनीष देवनानी,उमा जगतियानी,डा. वन्दना खुशालानी, अशोक मूलचंदानी, कविता आसनानी, तुलसी टेकवानी आदि को देश भर के लगभग सभी केंद्रों में अलग अलग मौके पर जाकर निरीक्षण कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया जाता रहता है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश के अयोध्या निवासी राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के सदस्य प्रतिनिधि विश्व प्रकाश "रूपन"को मध्य प्रदेश के दर्जनों केंद्रों पर जाकर निरीक्षण करने का निर्देश भेजा गया था। श्री रुपन ने बताया कि निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों में मातृभाषा सिंधी के साथ देश के प्रति भी खासा प्रेम दिखा। श्री रुपन ने निरीक्षण के दौरान ही समय निकाल कर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद द्वारा वित्त पोषित संचालित हेमू कालाणी सिंधी भाषा अध्ययन केंद्र भी देखा और वहां के निदेशक व संबंधित व्यक्तियों से भी शिष्टाचार भेंट की।

भू–माफियाओं का कब्जा बरकरार

कुशीनगर। जनपद के कप्तानगंज तहसील अन्तर्गत भू–माफियाओं का वर्चस्व बरकरार है। नतीजतन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के महत्वपूर्ण अभियान में शुमार एंटी भू–माफिया यहां पूरी तरह हवा–हवाई साबित हो रहा है। कहना न होगा कि बीते दिनो सामाजिक कार्यकर्ता रामनरेश अग्रहरी द्वारा कप्तानगंज में सिलिंग की भूमि पर भू–माफियाओं का अवैध कब्जा से संबंधित मुद्दा उठाने के बाद मीडिया ने इस प्रकरण को प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसके बाद तहसील प्रशासन की कुंभकर्णी निद्रा टूटी और एक भू–माफिया के कब्जे से सिलिंग की जमीन को मुक्त कराते हुए नगर पंचायत कप्तानगंज को सुपुर्द किया गया था लेकिन 10 माह बीत जाने के बाद भी नगर पंचायत का उस भूमि पर बोर्ड नही लगा है। इसके अलावा आज भी लगभग ग्यारह एकड सिलिंग की भूमि पर भू–माफियाओं का अवैध कब्जा बरकरार है। इन भू–माफियाओं के खिलाफ रामनरेश अग्रहरी ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर कार्यवाही की मांग की है। मुख्यमंत्री को रजिस्टर्ड डाक से भेजे गये शिकायती पत्र मे

➤ मुख्यमंत्री जी! कप्तानगंज के भू–माफियाओं पर कब होगी कार्रवाई?।

➤ समाजसेवी रामनरेश अग्रहरी ने सीएम योगी को शिकायती पत्र भेजकर सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने की लगाई गुहार।

सामाजिक कार्यकर्ता रामनरेश अग्रहरी ने लिखा है कि जनपद के नगर पंचायत कप्तानगंज के बसहिया उर्फ कप्तानगंज स्थित सिलिंग की भूमि आराजी संख्या – 687, 688, 3295, 3324, 3336 व 3347, 3348, 3351(ग), 3352, 3369, 3449, 3822 (क), 3843, 3846, 4048, 4050, 4087, 4078, 4081 व 4211(द) सीलिंग आदि नम्बरों के लगभग ग्यारह एकड जमीन पर भू–माफियाओं द्वारा वर्षो से अवैध कब्जा किया गया है। पैमाईश कराकर इन अवैध कब्जाधारियो से सरकारी भूमि को मुक्त कराया जाना जनहित मे अति आवश्यक है। रामनरेश ने अपने पत्र में लिखा है कि इस प्रकरण में मणि बहादुर दास बनाम डीडीसी व अन्य द्वारा हाईकोर्ट इलाहाबाद में रिट दाखिल कर स्टे लिया गया जबकि याचिकाकर्ता की वर्षो पहले मृत्यु हो चुकी है। उन्होने याचिकाकर्ता के वारिश व वर्तमान समय मे मुकदमा के पैरवीकार पर सवाल उठाते हुए स्टे की असलियत जांच कराने की गुहार लगायी है।

इनसेट–– तहसील की कोरमपूर्ति कार्रवाई, दस माह बाद भी नगर पंचायत का नही लगा बोर्ड ––भ्रष्टाचार के खिलाफ हमेशा आवाज बुलन्द करने वाले व्यवसायी रामनरेश अग्रहरी ने मुख्यमंत्री को भेजे गये पत्र मे कहा है कि आराजी नम्बर 2128 व 2132 सिलिंग की जमीन कप्तानगंज के पंचायत अध्यक्ष सुशीला खेतान के चक से सटे है जिस पर अध्यक्ष द्वारा अवैध कब्जा किया गया था। उन्होंने बताया कि लगातार मुद्दा उठाने के बाद तहसील प्रशासन हरकत में आया और तहसीलदार के अगुवाई मे 6 दिसंबर–2023 को सिलिंग की भूमि 2128 व 2132 को अवैध कब्जा से मुक्त कराते हुए नगर पंचायत कप्तानगंज को सुपुर्द कर दिया। किन्तु दस माह बीत जाने के बाद भी तहसील प्रशासन द्वारा सुपुर्द किये गये आराजी संख्या – 2128 व 2132 सिलिंग की भूमि पर नगर पंचायत कप्तानगंज द्वारा बोर्ड नही लगवाया गया है। इसके पीछे वजह यह है कि मामला नगर पंचायत अध्यक्ष से जुडा है।

इस लिए नगर पंचायत के ईओ उस जमीन पर बोर्ड नही लगवा रहे है। रामनरेश का कहना है कि अभी तक बोर्ड नही लगने के संबंध में जब ईओ से पूछा तो ईओ ने कहा कि नगर पंचायत मे पैसा नही है।

सीतापुंर में खाटू श्याम के गीतों ने बांधा समां

सीतापुर(आरएनएस) । बिसवां चीनी मिल अस्पताल परिसर में श्री श्याम सेवा मंडल बिसवां द्वारा खाटू श्याम के जन्म उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक बंटी सरदार नानपारा, सुमित गुप्ता बहराइच, कुमार वैभव, पंकज निगम, सौरभ अग्रवाल, राहुल शिंदे ने अपने सुंदर भजनों से लोगों को तालियो व झूमने पर मजबूर कर दिया। यह कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा । जिसमें भारी संख्या में पुरुष महिलाएं भजनों का आनंद लेती रही। खाटू श्याम बाबा का फूलों से भव्य दरबार सजाया गया। बाबा की दिव्य ज्योति जगाई गई। जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने शुद्ध देसी घी और नारियल से हवन पूजन कर बाबा से आशीर्वाद मांगा। इस मौके पर विकास अग्रवाल, मुकेश खेतान, मनोज बंसल, मनीष खेतान, नरेश खेतान, अनिल रस्तोगी, विशाल अग्रवाल, सचिन गुप्ता, श्याम मिश्रा, अंकित खेतान ने अपने गायक कलाकारों व संभ्रांत लोगों के गले में बाबा की चुनर डालकर सम्मान किया। भजन कीर्तन देर रात तक चलता रहा और भजनों को सुनने के लिए श्रद्धालु गण रात भर जमे रहे।

बोलेरो चालक के विरुद्ध केस दर्ज

सिराथू, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के सिराथू कस्बे के जानकीपुर के पास बीस दिन पहले तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से अप्पे चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था , अप्पे चालक की शिकायत पर सैनी पुलिस ने बोलेरो चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है।सैनी कोतवाली क्षेत्र के रामपुर धमावा का मजरा गौराहार निवासी अखिलेश सोनकर पुत्र राम लखन ने सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि तीन अक्टूबर को अप्पे लेकर सिराथू से धाता की ओर जा रहा था , बोलेरो चालक ने अप्पे में टक्कर मार दिया हादसे में अप्पे चालक का दो जगह से हाथ टूट गया ।

ग्रीन हाउस की छात्राएं विभिन्न मुद्राएं में।

प्रधानाचार्य के खिलाफ जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। अभिभावक एकता समिति ने नगर मजिस्ट्रेट को सेन्ट मैरी कॉन्वेंट इंटर कॉलेज की कक्षा 9 की छात्रा जैना हुसैन खान द्वारा कॉलेज की प्रधानाचार्य के उत्पीड़न के कारण आत्महत्या की है इसलिए प्रधानाचार्य के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कठोर कार्रवाई की जाए। और घटना की उच्च स्तरीय जाँच हो। विजय गुप्ता, प्रमिल केसरवानी, प्रदीप श्रीवास्तव बृजेश निषाद विकास अग्रहरि राकेश सिंह सुशील जैन ,प्रमोद कुमार ,पीके यादव पी के श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

न्यायमूर्ति मालवीय का विश्वविद्यालय में अमूक योगदान- प्रो संगीता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव ने न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय के निधन पर पूरे विश्वविद्यालय परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा बनवाए गए हिन्दू छात्रावास को उन्होंने विश्वविद्यालय को दिया है ताकि यहां के बच्चों को आवास की बेहतर सुविधा मिल सके। पांच सौ करोड़ से ज्यादा की कीमत की संपत्ति विश्वविद्यालय को मात्र एक रुपए में देकर उन्होंने जिस उदारता का परिचय दिया उसके लिए विश्वविद्यालय सदैव उनका ऋणी रहेगा। वर्तमान सत्र में छात्रों का पहला बैच हॉस्टल में एडमिशन लेगा। विश्वविद्यालय गिरिधर मालवीय जी को छात्र हित एवं विश्वविद्यालय की प्रगति में उनके योगदान के लिए हमेशा कृतज्ञता से याद करेगा।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, साथी जख्मी

प्रयागराज। प्रयागराज–बांदा हाईवे पर बारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सेहुड़ा पानी टंकी के पास सोमवार देर रात तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। बाइक सवार दो युवकों में एक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। सोमवार देर रात 18 वर्षीय संदीप पाल पुत्र भाई लाल निवासी ग्राम ढेरहन थाना खीरी जिला प्रयागराज और खीरी निवासी 19 वर्षीय दिलीप कुमार पुत्र राम बहादुर एक ही बाइक पर रिश्तेदार के यहां बारा क्षेत्र के नीबी गांव जा रहे थे। बाइक दिलीप चला रहा था। बाइक सवार सेहुड़ा पहुंचे थे कि पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। संदीप की मौके पर मौत हो गई। दिलीप को गंभीर चोट आई। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस एवं ग्रामीणों ने घायल को पास के निजी अस्पताल में ले गए। तब तक थाना प्रभारी भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहां से प्राथमिक उपचार कराकर घायल दिलीप को एंबुलेंस के माध्यम सीएचसी जसरा ले गए। शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया।

मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू हो गई है। सुबह आठ बजे से ही मतदान कार्मिक मुंडेरा मंडी परिषद पहुंच गए और मंडी परिषद में लगाई गई 22 टेबलों से सामान लेना शुरू कर दिया। दोपहर को सीडीओ गौरव कुमार भी मौके पर पहुंचे। फूलपुर विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव 20 नवंबर को होना है। इसके लिए 435 पोलिंग पार्टियां मुंडेर मंडी पहुंची हैं। सभी को आज ईवीएम दी जाएगी।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा (आवेदन) नोटिस सं: सीएम-1/एटीवीएम/कैसीलिटेटर/महाकुम्भ मेला/पार्ट-II/प्रयागराज/2025
दिनांक: 19.11.2024
प्रथम शुद्धि पत्र
कार्य का विवरण:- प्रयागराज (संगम एरिया सहित), सूबेदारगंज, नैनी एवं प्रयागराज-छिवकी स्टेशनों पर महाकुम्भ मेला 2025 हेतु लगायी जाने वाली अतिरिक्त ATVM के संचालन हेतु Facilitator की नियुक्ति के संबंध में।
पूर्व प्रकाशित
निविदा (आवेदन) फार्म बिकने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 20.11.2024 को 11.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म डालने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 20.11.2024 को 13.00 बजे तक।
निविदा खोलने की संशोधित तिथि
निविदा (आवेदन) फार्म बिकने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 16.12.2024 को 11.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म डालने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 16.12.2024 को 13.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 16.12.2024 को 15.00 बजे।
महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.
1800 4199 139
1827/24(A)
North central railways | @CPRONCR

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

जीएचएस ने वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया

प्रयागराज। गर्ल्स हाई स्कूल ऐंड कॉलेज ने मंगलवार को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया। सुबह जूनियर स्कूल के लिए और दोपहर में सीनियर स्कूल के लिए। इस कार्यक्रम में छात्रों के समग्र विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया, जिसमें न केवल शारीरिक फिटनेस बल्कि अनुशासन, टीम वर्क और दृढ़ता की खेती पर भी जोर दिया गया। सफलता प्राप्त करने में ईश्वर की उपस्थिति का आह्वान करने के लिए, कार्यक्रम की शुरुआत प्रभु की प्रार्थना के साथ हुई और उसके बाद मशाल की प्रतीकात्मक रोशनी की गई। प्रिंसिपल, रेव. डॉ. विनीता यूसेबियस ने गर्मजोशी से स्वागत भाषण दिया और मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति समीर जैन, इलाहाबाद उच्च न्यायालय और मुख्य अतिथि श्रीमती स्वाति जैन, पत्नी न्यायमूर्ति समीर जैन का आभार के प्रतीक के रूप में गुलदस्ते के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत एक भव्य कॉलेज मार्च पास्ट के साथ हुई, जिसके बाद कक्षा 1,2 और 3 के छात्रों ने इसेव अवर प्लैनेटश थीम पर शानदार पीटी प्रदर्शन किया। उनका ऊर्जावान प्रदर्शन वास्तव में सभी उपस्थित लोगों के लिए एक दृश्य आनंद था। कक्षा 4 और 5 के विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक पीटी प्रदर्शन प्रस्तुत करने के साथ ही उत्साह बढ़ता गया, जिसका विषय था ष्अतुल्य भारतष जिसमें भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। कक्षा 1 से 3 की मेंढक दौड़ और रिले दौड़ ने कार्यक्रम में अतिरिक्त रोमांच पैदा कर दिया। पुरस्कार विजेताओं को मुख्य अतिथि श्रीमती स्वाति जैन द्वारा पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि ने दर्शकों को संबोधित किया। उन्होंने खेल आयोजन की शानदार सफलता के लिए प्रधानाचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई दी और इस बात पर जोर दिया कि ये गतिविधियाँ विद्यार्थियों के व्यापक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो शारीरिक स्वास्थ्य को शैक्षणिक विकास के साथ जोड़ती हैं। सीनियर स्कूल के लिए कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि आरटी रेवड मॉरिस एडगर डैन, बिशप डायोसिस ऑफ लखनऊ, चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया और गेस्ट ऑफ ऑनर सिटी मजिस्ट्रेट श्री विनोद कुमार सिंह के स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद मशाल प्रज्वलित की गई और अच्छी तरह से समन्वयित मार्च पास्ट किया गया। चारों सदनों ने अपने सामूहिक पीटी रूटीन का प्रदर्शन किया, जिससे दर्शक अपनी जीवंत वेशभूषा, प्रॉप्स और युवा ऊर्जा से मंत्रमुग्ध हो गए। ब्लू हाउस के छात्रों ने अपने खूबसूरत नीले फूलों के साथ श्जैव विविधता के लिए खिलेंश थीम पर एक अनुकरणीय प्रदर्शन किया। येलो हाउस ने ष्लाइट द लाइफ, फैन द होपष थीम को अपनाया और अपने पीटी प्रदर्शन से दर्शकों को अचंभित कर दिया। ग्रीन हाउस द्वारा प्रस्तुत ड्रिल सभी को याद दिलाती है कि पानी कीमती है और इसे संरक्षित करने की आवश्यकता है। रेड हाउस ने अपने पीटी के माध्यम से

वार्षिक खेल दिवस के दौरान विभिन्न मुद्रा में छात्राएं।

ब्लू हाउस की छात्राएं नृत्य की प्रस्तुति देती।

इंडिया गठबंधन ने भाजपा पर सत्ता के दुरुप्रयोग का आरोप लगाया

प्रयागराज। फूलपुर उपचुनाव में इण्डिया गठबंधन के उम्मीदवार हाजी मुजतबा सिद्दीकी ने पत्रकार वार्ता करके भाजपा पर सत्ता के बेजा इस्तेमाल करने एवं चुनाव में गड़बड़ी पैदा करने कि आशंका जताई। कहा कि भाजपा के दो कबीना मंत्री दया शंकर सिंह एवं राकेश सचान चुनाव प्रचार कि समय सीमा खत्म होने के बाद भी चुनाव क्षेत्र में डटे हैं।सपा कार्यकर्ताओं के नाम लाल कार्ड जारी करके उन्हें हतोत्साहित किया जा रहा है। सपा एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने कहा कि भाजपा के विधायक पर आरोप लगाया कि वह हर्ष बाजपेयी सरकारी प्राथमिक विद्यालय को रात में खुलवाकर जन सभा किया और

अपने भाषण में जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल किया जो कानूनी रूप से एवं चुनाव आचार संहिता दोनों के खिलाफ है। विधायक के इस आचरण को लेकर तुलसी पट्टी के प्रधान रामकृष्ण द्वारा थरवाई थाने में प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है लेकिन अभी तक प्राथीमिकी नहीं दर्ज की गई है।इसका वीडिओ भी पत्रकारों को सौंपा गया। सपा जिलाध्यक्ष अनिल यादव ने नामांकन से लेकर आज तक जिला प्रशासन पर भाजपा के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने मतदान एवं मतगणना की प्रक्रिया को निष्पक्ष कराने के लिये भी आशंका जाहिर किया। सपा नेताओं ने बताया कि इस बात की शिकायत चुनाव आयोग से भी कर दी गई है। पत्रकार वार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष अनिल यादव, प्रत्याशी मुजतबा सिद्दीकी,महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर, महासचिव रविन्द्र यादव रहे।

उन्तालीस वीं अखिल भारतीय इन्दिरा मैराथन का आयोजन

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में 39 वीं० अखिल भारतीय इन्दिरा मैराथन का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन के अवसर पर समाज की कमजोर एवं निर्बल वर्ग की महिला धावकों के प्रतिभाग करने हेतु हेमा पंत डिविजनल हेड, आकांक्षा समिति, प्रयागराज के निर्देशन में एवं डा० कविता, संयुक्त आयुक्त, आयकर प्रयागराज, अध्यक्ष आकांक्षा समिति, प्रयागराज की अध्यक्षता में आकांक्षा समिति प्रयागराज द्वारा 100 मीटर की दौड़ का भी आयोजन कराया गया। आकांक्षा समिति की ओर से लगभग 30 महिला खिलाड़ियों नें इन्दिरा मैराथन की दौड़ के साथ–साथ आकांक्षा समिति द्वारा आयोजित 100 मीटर की दौड़ में भी प्रतिभाग किया। दूर–दराज की महिलाओं को कार्यक्रम में सम्मिलित होने एवं उनके घर तक वापस पहुंचाने हेतु विशेष रूप से साधन आदि मुहैया कराये गये। इन्दिरा मैराथन में 41 किलोमीटर की दौड़ पूरी करने वाली धाविका कु० मनीषा सोनकर द्वारा भी आकांक्षा समिति द्वारा आयोजित 100 मीटर की दौड़ में प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर महिला भागीदारी सुनिश्चित कराये जाने हेतु तथा विजेताओं को पुरस्कार का वितरण किया गया। 100 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान पर डा० कविता तथा द्वितीय स्थान पर कु० मनीषा सोनकर एवं कु० माही तृतीय स्थान पर रहीं। आकांक्षा समिति, प्रयागराज द्वारा प्रथम 05 विजेताओं को प्रमाण–पत्र, टी० शर्ट एवं गिफ्ट पैक से पुरस्कृत किया गया तथा अन्य 25 महिला धावकों को भी प्रमाण–पत्र दिया गया। डा० कविता द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली महिला धावकों की समस्याओं को सुनकर उनका अविलम्ब निराकरण कराने हेतु उन्हें आश्वस्त किया गया तथा उनके सामाजिक उत्थान और भविष्य में उनके आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करते हुए प्रोत्साहित किया गया। भारती मीणा ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट प्रयागराज, रत्न प्रिया, अपर आयुक्त (प्रथम), प्रयागराज, आकांक्षा सिंह उप जिलाधिकारी कोरांव, नीलम उपाध्याय उप जिलाधिकारी (न्यायिक) हण्डिया एवं प्रेरणा गौतम उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बारा, प्रयागराज उपस्थित रहीं।

1069 भूमिहीनों को अब मिलेगा आवास

प्रयागराज। ऐसे गरीब जिनके पास न तो जमीन है और ष्आवास, उन्हें जल्द ही छत मिल सकती है। ऐसे गरीबों की तलाश के लिए पिछले दिनों शासन ने निर्देश दिया था। इनकी तलाश हो गई है। जिले में 1069 ऐसे गरीब अब तक के सर्वे में मिले हैं, जिनके पास जमीन नहीं है। इनके लिए जमीन उपलब्ध कराकर आवास की व्यवस्था का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत ऐसे गरीबों को आर्थिक सहायता की जाती है, जिनके पास जमीन तो हैं, लेकिन आवास नहीं है। प्रदेश में ऐसे भी तमाम लोग हैं, जिनके पास जमीन भी नहीं है। पिछले साल कोरांव तहसील में ऐसे लोग मिले थे। जिसके बाद शासन ने प्रदेश के सभी जिलों में सर्वे कर भूमिहीन गरीबों की सूची मांगी थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062